ANDHRA PRADESH STATE COUNCIL OF HIGHER EDUCATION

Programme: GENERAL HINDI

(1 & 2 Semesters)

w.e.f. AY 2023-24

COURSE STRUCTURE

Semester	Course	Title of the Course	No. of Hrs /Week	No. of Credits
Semester-I	1	Hindi Gadya Sahitya	4	3
Semester-II	2	Hindi Padya Sahitya	4	3

GENERAL HINDI

SEMESTER. -I

हिन्दी गद्य साहित्य

Theory. **Credits - 3.** **4hrs/week**

Units: 5

Periods: 60

लक्ष्य:

१. विद्यार्थियों को गद्य की विविध विधाओं से परिचित करवाना।

२. हिन्दी भाषा के विशिष्ट साहित्यकारों का परिचय उनकी रचनाओं की विशिष्टता का ज्ञान प्राप्त कर पाना।

३. हिन्दी साहित्य के संक्षिप्त इतिहास से परिचित करवाना।

४. हिन्दी व्याकरण की सभी पहलुओं पर विद्यार्थियों को विशद रूप अध्ययन कराना, क्योंकि व्याकरण ही भाषा की रीढ़ होती है।

५. विद्यार्थियों को पत्र लेखन के आवश्यक नियमों से अवगत कराना , शिष्ट भाषा का प्रयोग एवं प्रभावपूर्ण लेखन विधि से परिचित करवाना।

Unit-I

१.मित्रता - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२.साहित्य की महत्ता - महावीर प्रसाद द्विवेदी

३.बिंदा - महादेवी वर्मा

Unit-II

१.मुक्तिधन - प्रेमचन्द

२.पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद

३. और वह पढ़ गई - डॉ कुसुम वियोगी.

Unit -III

१.हिन्दी साहित्य का इतिहास -

सामान्य परिचय

२.काल विभाजन

Unit - IV

१.कार्यालयीन शब्दावली (अंग्रेजी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी)

२.लिंग

३.वचन

४.काल

५.कारक

Unit - V

पत्र लेखन

१. व्यक्तिगत पत्र

२. आवेदन पत्र

(छुट्टी पत्र, पिता जी के नाम पर पत्र , मित्र के नाम पर पत्र,प्राध्यापक पद केलिए आवेदन पत्र, अनुवादक पद केलिए आवेदन पत्र)

परिणाम: पाठ्यक्रम के सफल समापन के उपरांत विद्यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

१. निबंध, रेखाचित्र, कहानी जैसी गद्य की विभिन्न विधाओं को समझ पाना एवं विश्लेषण कर पाना।

२.सच्चे मित्र के गुणों से अवगत हो पाना,जो की स्नातक स्तर के विद्यार्थियों केलिए अति आवश्यक है।

३.पठित रचनाओं में दर्शित सामाजिक, ऐतिहासिक , सांस्कृतिक आदि संदर्भों का मूल्यांकन कर पाना।

४.धार्मिक सहिष्णुता,देश प्रेम आदि उत्तम भावनाओं को जागृत कर पाना।

५. हिन्दीसाहित्येतिहास के संक्षिप्त अध्ययन से विविध काल एवं तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत होना।

६. व्याकरणिक इकाइयों की समझ एवं प्रभावपूर्ण पत्र लेखन का ज्ञान अर्जित कर सकना।

SEMESTER - II

हिन्दी पद्य साहित्य

Theory. **Credits - 3** **4hrs/week**

Units: 5

Periods: 60

लक्ष्य:

१.कबीर और तुलसी के दोहों में व्यक्त सामाजिक संदेश जो आज के समय में भी प्रासंगिक है, विद्यार्थियों को उनसे परिचित कराना। सूर के पदों की लयात्मकता से परिचित हो पाना।

२. आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी कवियों का योगदान एवं विभिन्न साहित्यिक परंपराओं में उनके योगदान का आकलन कर सकेंगे।

३.निबंध के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की वृद्धि होना।

४. प्रयोजन मूलक हिन्दी के अंतर्गत विद्यार्थी विभिन्न सरकारी पत्रों से अवगत हो पाना।

५.अनुवाद और संक्षेपण ऐसी कलाएँ हैं, जिनके अभ्यास से विद्यार्थी भाषाओं पर निपुणता हासिल कर सकेंगे।

Unit - I

प्राचीन कविता

१. कबीर दास - ५ दोहे

२. सूरदास - बाल वर्णन

३. तुलसीदास - ५ दोहे

Unit - II

आधुनिक कविता

१. मातृभाषा - भारतेंदु हरिश्चंद्र - ५ दोहे

२. भिक्षुक - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

३. मादा भ्रूण - रजनी तिलक

Unit - III

सामान्य निबन्ध

१. विद्यार्थी और अनुशासन

२. विश्व भाषा के रूप में हिंदी

३. पर्यावरण प्रदूषण

Unit -IV

प्रयोजन मूलक हिन्दी - परिचय

सरकारी पत्र- परिभाषा एवं पत्र का नमूना

१.परिपत्र

२.ज्ञापन

३.अधिसूचना

Unit - V

१. अनुवाद - अंग्रेजी से हिन्दी(४ - ५ पंक्तियॉ)

तेलुगू से हिन्दी (४ - ५ पंक्तियॉ)

२. संक्षेपण

परिणाम: द्‌वितीय सत्र के सफल समापन के उपरांत विद्‌यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

१.प्राचीन कविता के अध्ययन से विद्‌यार्थियों में सामाजिक चेतना जागृत होगी, काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे।

२.आधुनिक काल की विविध प्रक्रियाओं का आकलन तथा विश्लेषण।

३.विभिन्न निबंधों के माध्यम से विद्‌यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की श्रीवृद्‌धि।

४.प्रयोजन मूलक हिन्दी का ज्ञान प्राप्त कर विद्‌यार्थी सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में अनुवादक पद केलिए अपने आप को तैयार कर पायेंगे।

५.अनुवाद अभ्यास जो साहित्यिक एवं अनुप्रयुक्त माध्यम से करवाया जाता है, यह विद्‌यार्थियों केलिए उपयोगी सिद्‌ध होगा। संक्षेपण कला के अभ्यास से भाषाई निपुणता प्राप्त कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ

१. गद्‌य संदेश - डॉ नरसिंहम शिवकोटि

२.कथालोक- डॉ घनश्याम

३.काव्य दीप- श्री बी राधाकृष्ण मूर्ति

४. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ वासुदेव नंदन प्रसाद

आंध्रकेसरी विश्वविद्यालय

बी.ए.,बी.काम.,बी.एस.सी., (स्नातक स्तर का) द्वितीय भाषा प्रश्न-पत्र

द्वितीय सत्र नमूना प्रश्न पत्र

समय: ३ घंटे **पूर्ण अंक: ७५**

भाग-अ

१. निम्न लिखित में से किन्ही पञ्च प्रश्नों का उत्तर दीजिए. 5 × 5=25

1. "जाति न पूछो साधू की, पूछ लीजिए ज्ञान, मोल करो तलवार का, पड़े रहन दो म्यान." इस दोहे का सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए
2. "तुलसी संत सुअम्ब तरु, फूली फलही परहेत, इतते ये पाहन हनत उतते वे फल देत" इस दोहे का सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए
3. "सोभित कर नवनीत लिए घुटुरुनि चलत रेनु तन मंडित मुख दधि लेप किए" उक्त पद का सन्दर्भ सहित ब्याख्या कीजिए
4. मातृभाषा के बारे में भारतेंदु क्यों कहाते हैं कि सबका मूल मातृभाषा ही है?
5. निराला के अनुसार भिक्षुक का रूप कैसा है?
6. मादा भ्रूण कविता में वर्णित अत्याचार के बारे में टिप्पणी कीजिए
7. परिपत्र किसे कहते हैं?
8. ज्ञापन का अर्थ क्या है?

भाग – आ

२. निम्नलिखित सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए 5 × 10=50

1. 'भिक्षुक' कविता का सारांश लिखिए

   अथवा

   'मादाभ्रूण' कविता का सारांश लिखिए

2. 'पर्यावरण प्रदूषण' विषय पर निबंध लिखिए

   अथवा

   'विद्यार्थी और अनुशासन' विषय पर निबंध लिखिए

3. अपने महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव के आयोजन के बारे में प्राचार्य के नाम पर परिपत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए

   अथवा

बिजली के दर प्रति यूनिट 50 पैसे बढाते हुए महा अभियंता, केन्द्रीय बिजली वितरण संस्थान, आँध्रप्रदेश के नाम पर अधिसूचना का प्रारूप बनाइए.

4. किन्ही पाँच वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए 5×2=10

1. He is sleeping.
2. The cat eats rats
3. I will play in the match
4. She went to hospital
5. You please sit on the chair.
6. They are going to school
7. Climb the tree
8. I drink coffee in the morning
9. They left just now.
10. His sister will come tomorrow

अथवा

1. అతడు నిద్ర పోతూ ఉన్నాడు.
2. పిల్లి ఎలుకలను తినును.
3. నేను ఈ మ్యాచ్ లో ఆడేదను.
4. ఆమె ఆసుపత్రికి వెళ్ళింది..
5. మీరు దయచేసి కుర్చీలో కుర్చోండి.
6. వారు పాఠశాలకు వెళ్ళుచున్నారు.
7. చెట్టు ఎక్కు.
8. నేను రోజూ కాఫీ తాగుతాను.
9. వారు ఇప్పుడే వెళ్ళారు.
10. .మా అక్కయ్య రేపు వస్తుంది .

5. संक्षेपण कीजिए

राष्ट्रीयता के विकास केलिए भाषा एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्त्व है. भाषा ही एक साधन है. जिसके द्वारा मनुष्य मानव समुदाय अपने भावों को एक-दुसरे के सामने प्रकट करते हैं. जिस प्रकार पहाड़, नदी तथा समुद्र मनुष्य के आपस में मिलने-जुलने में रुकावट पैदा करते हैं, वैसे ही भाषा की विभिन्नता मनुष्यों में परस्पर सम्बन्ध स्थापित करने में बाधक होती है. मनुष्यों के विभिन्न समुदायों के अपने-अपने आदर्श, विचार और अपनी अपनी भावनाएं होती है. जिनकी अभिव्यक्ति का साधन भी भाषा ही है. भाषा ही एक ऐसा साधन है, जिससे मनुष्य एक दुसरे के समीप आ जाते हैं. उनमें घनिष्टता स्थापित हो जाती है. यही कारण है कि ज्यादातर एक भाषा की भावना केलिए भाषा के तत्त्व परम आवश्यक है.

अथवा

गांवों में यदि कुटीर उद्योगों का विकास किया जाता तो व्यवसायोन्मुख शिक्षा की व्यवस्था होती, चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती तो गाँवों से नवयुवकों का पलायन रोका जा सकता। ग्रामीण उद्योगों की जो दुर्दशा स्वाधीनता के बाद हुई है, वैसी दुर्दशा तो अंग्रेजी राज्य में भी नहीं थी। काठ के कोल्हुओं से शुद्ध कच्ची

घानी से तेल निकाला जाता था। तेलियों को रोजगार मिलता था तथा गाँव वालों को शुद्ध तेल। सभी को संतोष था।मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार घर में काम आने वाले बर्तन बनाते थे। शादी के दौरान जितनी मिट्टी के बर्तनों की जरूरत पड़ती, वे पूरी करते थे । काम के बदले उन्हें अनाज मिल जाता था।